B. A. Third Year

First paper

Geographical Thought

BY

Dr. Shivanand Yadav

Assistant professor and Head

Department of geography

Harishchandra P. G. College Varanasi

"सर डडले स्टाम्प"

"Sir Dudley Stamp - 1898-1967"

लोरेन्स डडले स्टाम्प का जन्म 1898 में लंदन में हुआ था। ये प्रतिभाशाली छात्र थे। आपने लंदन के किंग्स कालेज से आनर्स व एम. एस.सी. की डिग्री प्राप्त की। 23 वर्ष की अवस्था में शोध कार्य पूरा किया व D.Sc. की डिग्री (उपाधि) प्राप्त की। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा भूगोल एवं भू-गर्भशास्त्र में हुई थी। उन्होंने भारत, बर्मा (म्यांमार) श्रीलंका तथा दक्षिणी पूर्वी एशियाई देशों की यात्राएं की। वे प्रथम विश्वयुद्ध के बाद 1923 से 1926 तक रंगून विश्वविद्यालय में भौतिकी व भूगोल के रीडर पद पर कार्य किया तथा इसी समय भारत, चीन, मलाया, जापान आदि की यात्रा की। यहाँ रहकर उन्होंने बर्मा के खनिज तेल तथा अन्य खनिजों की खोज की।

वे 1926 में लन्दन वापस आ गये जहाँ उन्हें लन्दन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स (London School of Economics) में आर्थिक भूगोल के रीडर पद पर नियुक्त किया गया। 1930 में स्टाम्प के नेतृत्व में ब्रिटेन में भूमि उपयोग का सर्वेक्षण का कार्य सम्पन्न हुआ, जिसे उसने अपनी पुस्तक "The Land of Britain: Its Uses and Misuses" में प्रस्तुत किया। स्टाम्प ने भूमि उपयोग के छः प्रकारों का उल्लेख किया है।

1945 में आपको भूगोल का प्राध्यापक नियुक्त किया गया, यहाँ रहकर आपने भूगोल के विभिन्न पहलुओं पर कार्य किया; आपने ब्रिटिश सरकार के कृषि एवं मत्स्य मंत्रालय में ग्रामीण एवं भूगोल उपयोग के परामर्शदाता के रूप में कार्य किया। वे भूगोल की राष्ट्रीय समिति के अध्यक्ष भी रहे। आपको रॉयल भौगोलिक परिषद, भौगोलिक एसोसियेशन तथा ब्रिटिश भूगोलवेत्ता संस्था के अध्यक्ष रहने का गौरव प्राप्त है। आपको अन्तर्राष्ट्रीय भूगोल संघ (International Geographical Union) के अध्यक्ष पद पर रहने का भी गौरव प्राप्त है। सेवा निवृत्त होने के बाद उन्हें प्रोफेसर एमरिटस (Emeritus) नियुक्त किया गया। अनेक विश्वविद्यालयों ने उन्हें डाक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया।

रचनाएं (Writings) स्टाम्प प्रतिभावान व कुशल भूगोलवेत्ता थे। ब्रिटेन में भूगोल के विकास में उनका योगदान अद्वितीय है। उन्होंने लगभग 50 पुस्तकों की रचना एवं सम्पादन किया। उन्होंने भूगोल पर लगभग 30 पुस्तकें लिखी। भूगोल के क्षेत्र में उनके इस योगदान के लिए उन्हें ब्रिटिश सरकार ने 'सर' "SIR" की उपाधि से सम्मानित किया। सर लोरेंस डडले स्टाम्प ने भूगोल के सभी पक्षों को अपने अध्ययन का विषय क्षेत्र बनाया।

उनकी रचनाएं विश्व के अनेक देशों से सम्बन्धित थीं जिनसे आधारभूत भौगोलिक ज्ञान प्राप्त हुआ। उन्होंने प्रादेशिक भूगोल, आर्थिक एवं वाणिज्य भूगोल, व्यावहारिक भूगोल तथा स्वास्थ्य भूगोल पर विशेष रूप से कार्य किया।

उनके द्वारा लिखित प्रसिद्ध पुस्तकें निम्नलिखित हैं। ⟹

1. संसार का सामान्य भूगोल (विश्व का भूगोल)
2. वाणिज्यिक भूगोल (A Handbook of Commercial Geography)
3. भौगोलिक शब्दों की अर्थ सहित सूची (Glossary of Geographical Terms)
4. जीवन एवं मृत्यु का भूगोल (The Geography of Life and Death)
5. एशिया का प्रादेशिक व आर्थिक भूगोल (Regional and Economic Geography of Asia.)
6. चिकित्सा भूगोल के तथ्य (Aspects of Medical Geography)
7. व्यावहारिक भूगोल (Applied Geography)
8. हमारा विकासोन्मुख विश्व (Our Developing world)
9. आगामी कल की भूमि: (अविकसित विश्व) (Land for Tomorrow: The undeveloped world)
10. ब्रिटेन की भूमि: उपयोग एवं दुरुपयोग (The Land of Britain: Its use and misuse)
11. शुष्क प्रदेश में भूमि उपयोग का इतिहास "History of Land Utilisation in Arid Region"
12. भौतिक भूगोल एवं भौमिकी (Physical Geography and Geology)
13. ब्रिटिश द्वीप समूह: भौगोलिक एवं आर्थिक सर्वेक्षण (British Isles: Geographical and Economic Survey)
14. भूगोल शब्दावली (शब्दकोष) (Dictionary of Geography)
15. ब्रिटेन की भूमि मान चित्रावली (Atlas of Land Utilisation in Britain)
16. यूरोप का भूगोल (Geography of Europe)
17. अफ्रीका: उष्ण कटिबन्धीय विकास का एक अध्ययन (Africa: A study of Tropical Development)

उन्होंने विश्व के भूगोल नामक पुस्तक के कई संस्करण लिखे। उनके अनेक शोध पत्र 1953 में London Essays in Geography नाम से प्रकाशित हुए। स्टाम्प ने प्रत्येक महाद्वीप का भूगोल लिखा। उन्होंने भूगोल के प्रत्येक पक्ष को मानवीय समृद्धि एवं प्रगति के लिए प्रयोग करने का प्रयत्न किया।

भौगोलिक विचार (Geographical Ideas) - भूगोल के क्षेत्र में योगदान (Contribution in the field of Geography)

स्टाम्प ने लम्बे समय तक भूगोल के लिए कार्य किया तथा भूगोल की विभिन्न शाखाओं पर कार्य किया। भूगोल के क्षेत्र में सर डडले स्टाम्प का योगदान प्रमुख रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों में रहा—

I.⇒ भूमि उपयोग (Land Use) स्टाम्प का सबसे महत्वपूर्ण कार्य ग्रेट ब्रिटेन का भूमि उपयोग सर्वेक्षण था। वस्तुतः भूमि उपयोग प्रणाली विश्व के लिए स्टाम्प की महान देन रही जिसे विश्व के अनेक देशों ने आंशिक संशोधनों के साथ प्रयुक्त किया है। सन् 1930 ई० में डडले स्टाम्प के निर्देशन में ब्रिटेन का भूमि उपयोग सर्वेक्षण कराया गया था। यह सर्वेक्षण ब्रिटेन में भरपूर खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से कराया गया था। उन्होंने प्रत्येक काउन्टी की प्रति एकड़ भूमि के उपयोग को रिकार्ड किया तथा उनका मानचित्रण भी किया। इस सर्वेक्षण से ब्रिटेन में कृषिगत क्षेत्र तथा खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि हुई। पहले इन मानचित्रों को 1:10560 अर्थात 6" = 1 मील के मापक पर तैयार किया। बाद में इन्हें 1" = 1 मील के मापक पर समायोजित किया गया। इन मानचित्रों को कृषि मंत्रालय द्वारा प्रकाशित कराया गया। स्टाम्प ने ब्रिटेन में छः प्रकार का भूमि उपयोग बताया। ये छः वर्ग इस प्रकार हैं:—

(1) कृषिगत भूमि (2) चरागाह एवं घास क्षेत्र (3) दलदल पहाड़ी एवं चरागाह की भूमि
(4) वन एवं वृक्षयुक्त भूमि (5) उद्यान एवं बगीचे की भूमि (6) अनुपजाऊ भूमि

इस प्रकार स्टाम्प ने भूमि उपयोग के आधार भूत तथ्यों के आधार पर भूमि उपयोग की एक वैज्ञानिक योजना तैयार कर, भूमि उपयोग का एक वैज्ञानिक वर्गीकरण प्रस्तुत किया। उन्होंने वे तथ्य भी स्पष्ट किये जिनके आधार पर भूमि उपयोग का वर्गीकरण प्रस्तुत किया गया। स्टाम्प द्वारा भूमि उपयोग सम्बन्धी सर्वेक्षण के आधार पर जो सामग्री एकत्रित कर प्रकाशित करायी गयी, वह भावी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई।

II ⇒ प्रादेशिक भूगोल ⇒ स्टाम्प ने क्रमबद्ध प्रादेशिक भूगोल अध्ययन पद्धति को अपनाया। स्टाम्प ने एशिया, भारत, बर्मा तथा ब्रिटेन सहित अनेक देशों के प्रादेशिक भूगोल पर पाठ्यपुस्तकों को क्रमबद्ध उपागम के आधार पर लिखकर, ~~प्रादेशिक~~ भूगोल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

III ⇒ व्यावहारिक भूगोल :- स्टाम्प का मानना था कि भौगोलिक ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग मानव जीवन में सुधार के लिए किया जा सकता है। इस पक्ष का विशद् वर्णन उन्होंने

अपनी पुस्तक Applied Geography में प्रस्तुत किया।

IV: स्वास्थ्य भूगोल :- स्टाम्प को स्वास्थ्य भूगोल का अग्रदूत माना जाता है। उन्होंने अपनी पुस्तक Some Aspects of Medical Geography तथा Geography of Life and Death में स्वास्थ्य को मानव जीवन की गुणवत्ता का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक माना। उन्होंने यह माना कि अधिक जनसंख्या से प्रति व्यक्ति आय कम होती है, जिससे मानवीय स्वास्थ्य संबंधी अनेक समस्याएं उत्पन्न होती है।

वस्तुत: स्टाम्प के कार्यों का उल्लेख करना उसकी प्रतिभा को सीमित करके दिखाना होगा। उन्होंने भूगोल के सभी पक्षों पर अपना विचार व्यक्त किया। कुछ प्रमुख देन इस प्रकार हैं।

⇒ भूगोल से सम्बन्धित शब्दावली का विकास करना

⇒ भूगोल के लेखन, संकलन, व्याख्या एवं विश्लेषण की विधि का ज्ञान कराना।

⇒ भौगोलिक अध्ययनों में मानचित्रों की उपयोगिता को सिद्ध करना।

⇒ भूगोल के विषय क्षेत्र में व्यापक वृद्धि करना।

⇒ भूगोल को मानव के कल्याणकारी विषय के रूप में महत्व देना।

⇒ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भौगोलिक कांग्रेस (I.G.U.) की स्थापना में योगदान।

⇒ भारत के भूगोलवेत्ताओं को शोध कार्यों में दिशा निर्देश देना। स्टाम्प के कुशल निर्देशन में प्रोफेसर R.L. Singh का शोध उपाधि से विभूषित होना।

वास्तव में स्टाम्प का भूगोल के लिए योगदान अद्वितीय है। उनके प्रयास का ही यह परिणाम है कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भौगोलिक संस्था की स्थापना हुई। जो सदैव विश्व के भूगोलवेत्ताओं को एक मंच पर एकत्र होने का अवसर देती है। उन्हीं के महत्वपूर्ण कार्यों के कारण ही ब्रिटिश सरकार ने भूगोल को एक महत्वपूर्ण विषय के रूप में मान्यता दी थी।

SN Swain
29-1-19